दिल्ली
जागरण सिटी

कर्मचारियों ने एफसीआइ के निजीकरण का विरोध किया IV

संस्कृत बोलना फैशन बने : सुब्रमण्यम स्वामी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा बृहस्पतिवार को कांफ्रेंस सेंटर में आयोजित प्रो. नरेंद्र चौधरी स्मारक व्याख्यान में भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रो. सुब्रमण्यम स्वामी और इनफिनिटी फाउंडेशन के निदेशक राजीव मल्होत्रा ने विचार व्यक्त किए। व्याख्यान का विषय 'संस्कृत अध्ययन में उभरता अमेरिकी ओरियंटलवाद' विषय था। प्रो. सुब्रमण्यम स्वामी ने संस्कृत का विरोध करने वाले अमेरिकी चिंतक शेल्डन पोलाक के विचारों को खारिज करते हुए भारतीय धर्म दर्शन विरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि संस्कृत को मृत भाषा कहने वाला चिंतक कभी भारत का हितैषी नहीं हो सकता है।

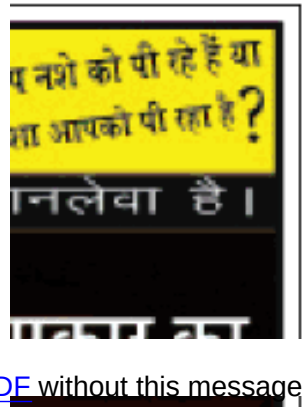

संस्कृत वैज्ञानिक शोध की भाषा है और लोगों को इसकी जरूरत है। जिस तरह से पाली में संस्कृत के शब्द जुड़ते गए, उसी तरह हिंदी में भी संस्कृत के शब्द जोड़ना जरूरी है। इस तरह हिंदी संस्कृत बन जाएगी। संस्कृत बोलना

कहा, हिंदी में जोड़े जाएं संस्कृत के शब्द

चिंतक पोलाक की दृष्टि को भास्त विरोधी करार दिया

डीयू के कांफ्रेंस सेंटर में व्याख्यान देते सुब्रमण्यम स्वामी। जागरण

पोलाक ने संस्कृत को गलत संदर्भों में पेश किया

राजीव मल्होत्रा ने कहा कि शेल्डन पोलाक ने संस्कृत को गलत ऐतिहासिक संदर्भों में पेश किया है। वह संस्कृत को मृत भाषा मानते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। पोलाक चार्वाक पंडित हैं। वह कई जगह लिखते हैं कि बौद्ध काल से पहले वेद रहस्य था, जो लोगों को सम्मोहित करने के लिए होता था। राजीव ने पोलाक का पेपर डेथ ऑफ संस्कृत पढ़ा और कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि पोलाक का मिशन राजनीतिक है और जिस संस्थान में वह संपादक हैं, उससे होने वाला अनुवाद भारत की संस्कृति के अनुरूप होगा इस पर मुझे शक है।

उन्होंने वैज्ञानिक तर्कों का हवाला देते हुए बताया कि भारत के 98 फीसद लोगों को डीएनए एक है। पांच साल तक सरकार है और संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए काम करना है। सभी भाषाओं में संस्कृत के शब्द हैं, उनका शब्दकोष बनाने की जरूरत है। इस मौके परिषद के अध्यक्ष प्रो. वाईएस राव ने कहा कि देश की विविधताओं को लेकर काम करने की जरूरत है। संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. रमेश भारद्वाज ने कहा कि संस्कृत में रोजगार के अवसर घट रहे हैं। डीयू में शिक्षकों के पद रिक्त हैं। बता दें कि शेल्डन पोलाक मूर्ति क्लासिकल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया के जनरल एडीटर हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)